Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ नाग पंचमी का धार्मिक महत्व ॥

॥ नागदेवताभ्यो नमः ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ नागदेवता के प्रति श्रद्धा ॥

नाग पंचमी सामान्यतः श्रावण शुक्ल पंचमी को मनाई जाती है। विभिन्न क्षेत्रों में तिथि और पूजा की रीति अलग हो सकती है, इसलिए स्थानीय पंचांग तथा पारिवारिक परंपरा देखें। इस दिन नागदेवताओं की पूजा परिवार और प्रकृति के मंगल की कामना से की जाती है।

शिव और विष्णु से संबंध

भगवान शिव के गले में विराजमान नाग और शेषनाग पर विराजमान भगवान विष्णु की छवियाँ हिंदू परंपरा में नागों के विशेष स्थान को दिखाती हैं। समुद्र मंथन में वासुकि नाग की भूमिका भी स्मरण की जाती है।

नागों के नाम-स्मरण

अनंत, वासुकि, शेष, तक्षक और कालिय आदि नाम अलग प्रार्थनाओं और परंपराओं में आते हैं। परिवार अपनी रीति के अनुसार नागदेवता के नाम लेकर पुष्प अर्पित कर सकता है। सभी नामों की कोई एक अनिवार्य सूची नहीं है।

आस्तीक मुनि की कथा

महाभारत के सर्पसत्र प्रसंग में राजा जनमेजय के यज्ञ को आस्तीक मुनि रुकवाते हैं और नागों की रक्षा होती है। नाग पंचमी पर इस प्रसंग को स्मरण करना हिंसा को रोकने और प्राणियों के प्रति संवेदना का संदेश देता है।

॥ प्रकृति के साथ सहअस्तित्व ॥

खेती और जीव-जगत

लोकजीवन में साँपों को खेतों और धरती के जीवन-चक्र से जोड़ा जाता है। कई साँप चूहों जैसे जीवों का शिकार करते हैं। पर्व के अवसर पर मिट्टी, बिलों और आसपास के जीवों को अनावश्यक नुकसान न पहुँचाने का भाव रखा जाता है।

लोककथा की सीख

किसान और नागिन की कथा याद दिलाती है कि अनजाने में हुई हानि के बाद भी जिम्मेदारी, करुणा और क्षमा का स्थान है। कथा के अलौकिक प्रसंग आस्था का हिस्सा हैं; उन्हें वास्तविक सर्पदंश के उपचार का विकल्प न समझें।

शांतिपूर्ण पूजा

नागदेवता के चित्र, मिट्टी या धातु की प्रतिमा का पूजन घर में किया जा सकता है। जीवित साँप से दूरी बनाए रखें। साँप दिखे तो स्थानीय प्रशिक्षित वन्यजीव बचाव दल से संपर्क करें; सर्पदंश होने पर तुरंत आपात चिकित्सा लें।

उपवास और प्रसाद की रीति क्षेत्र तथा परिवार के अनुसार बदलती है। अपने स्वास्थ्य और क्षमता को ध्यान में रखकर श्रद्धा से पूजा करें।

॥ अनंतवासुक्यादि नागदेवताभ्यो नमः ॥